आउटरीच कार्यक्रम *

दुव्वुरी सुब्बाराव

आज मुझे आपके गांव लालपुर करौता में आकर और आप लोगों से मिलकर बहुत खुशी हो रही है।

2. मैं यहाँ भारतीय रिज़र्व बैंक, मुम्बई से आया हूँ। रिज़र्व बैंक का एक कार्यालय लखनऊ में भी है, और उधर से मेरे साथी भी आज मेरे साथ आये हैं। हमारे साथ आज यहां बैंक ऑफ इंडिया और अन्य बैंकों के साथ-साथ, आपके संसद सदस्य श्री पी. एल. पुनिया और उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद हैं।

3. आप सोच रहे होंगे कि भला रिज़र्व बैंक को आप लोगों के पास आने की क्या जरूरत पड़ गई? आप में से कई तो ये भी सोच रहे होंगे कि रिज़र्व बैंक क्या काम करता है, और वह काम किस प्रकार से आपके लिए उपयोगी है?

4. मैं आज आपके गांव लालपुर करौता में आउटरीच कार्यक्रम के लिए आया हूँ ताकि मैं इस कार्यक्रम के दौरान आपके साथ कुछ समय बिता सकूं और आपकी चिंताओं, आपकी समस्याओं को समझ सकूं। साथ ही रिज़र्व बैंक के कार्य के बारे में भी आप लोगों को बता सकूं।

5. ये गांव के दौरे हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। जैसाकि आप जानते हैं, हमारे कार्यालय मुम्बई, दिल्ली, चैन्ने, लखनऊ, कानपुर आदि जैसे बड़े शहरों में हैं। हम गांवों की घटनाओं और गांव के लोगों के रहन-सहन के बारे में रिपोर्ट और समाचार-पत्रों से उन्हें समझने की कोशिश करते हैं। दरअसल, हमें गांवों के लोगों से मिलने का कोई मौका नहीं मिलता है। पिछले 4 वर्षों में मैं और मेरे साथी देश के कई गांवों में गए हैं। इस क्रम में आज हमें आप के गांव में आने का अवसर मिला है। आपके इस स्नेह और सत्कार से मैं काफी प्रभावित हुआ हूँ।

6. मुझे दुख है कि मैं इससे पहले आपके प्रदेश में नहीं आ सका। इतिहास गवाह है कि जिस किसी ने भी हिन्दुस्तान पर आक्रमण किया, इस प्रदेश ने हमेशा उनका प्रतिरोध किया और एक सशक्त प्रहरी की तरह यह खड़ा रहा। सारी कठिनाई झेलने के बाद भी उत्तर प्रदेश, हिन्दुस्तान के नक्शे पर अपने महत्व का अहसास कराता रहता है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में इस प्रदेश के विशिष्ट योगदान को भला कौन भूल सकता है? देश की प्रगति में उत्तर प्रदेश के महत्व को इसी बात से जाना जा सकता है कि 20 करोड़ की आबादी के साथ यह देश का सबसे बड़ा राज्य है। उत्तर प्रदेश में किसी भी अन्य राज्य की तुलना में अधिक महानगर हैं। यह राज्य भारतीय संसद की राज्य सभा के लिए 34 और लोक सभा के लिए 80 प्रत्याशी चुनता है। मुझे विश्वास है कि जब उत्तर प्रदेश प्रगति करेगा तो देश की प्रगति की रफ्तार को कोई नही रोक सकेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक की गतिविधियां

7. अब मैं आपको भारतीय रिज़र्व बैंक के काम के बारे में बताना चाहता हूँ। कई लोग भारतीय रिज़र्व बैंक और अन्य बैंकों के बीच अंतर को नहीं समझते हैं। कई लोग सोचते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक भी भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया की तरह ही कोई बैंक है। भारतीय रिज़र्व बैंक अन्य बैंकों की तरह नहीं है। यह सबसे अलग है। एक तरह से रिज़र्व बैंक बैंकों का बैंक है।

8. कई लोग सोचते हैं कि रिज़र्व बैंक केवल नोट (मुद्रा) छापता है। यह बात सही है कि हम नोट (मुद्रा) छापते हैं, लेकिन हम आप लोगो के लिए काफी अन्य महत्वपूर्ण काम भी करते हैं।

9. हम जो काम करते हैं, उससे आपके दैनिक जीवन में फर्क पड़ता है। उदाहरण के लिए, जब आप बैंक में

* 16 जनवरी 2013 को उत्तर प्रदेश में लालपुर करौता गांव में आउटरीच कार्यक्रम में गवर्नर के संबोधन का मुक्त अनुवाद

रूपया जमा करते हैं तो आपको उसपर कितना ब्याज मिलेगा, और जब आप बैंक से रूपया उधार लेते हैं तब आपको उस पर कितना ब्याज देना पड़ेगा यह रिज़र्व बैंक निर्धारित करता है।

महंगाई पर काबू पाना

10. महंगाई पर काबू पाना हमारा सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। मैं आप लोगों का ध्यान आपकी जेब में रखे हुए नोटों पर लिखे हुए वचन की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। यदि आप सौ रूपए का नोट निकाल कर देखेंगे तो पाएंगे कि उस पर लिखा है 'मैं धारक को 100 रूपए अदा करने का वचन देता हूँ'। उस वचन के नीचे रिज़र्व बैंक के गवर्नर के रूप में मेरा हस्ताक्षर है। आपने एक हिंदी कहावत, ''*प्राण जाए पर वचन ना जाए*'' सुनी होगी। अत: इसको ध्यान में रखते हुए रिज़र्व बैंक महंगाई पर काबू पाकर रुपए की क्रयशक्ति को हमेशा बरकरार रखेगा।

11. मैं जानता हूँ कि पिछले कुछ वर्षों से महंगाई काफी बढ़ गई है। लगभग सभी वस्तुओं, खास कर खाना और कपड़ों के दाम बहुत बढ़ गये हैं। महंगाई ने सभी को प्रभावित किया है, खास तौर पर गरीब लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। पिछले 2 वर्षों से हम महंगाई दर को कुछ कम करने में सफल हुए हैं। लेकिन मैं स्वीकार करता हूँ कि अभी भी महंगाई दर ऊँची बनी हुई है। मंहगाई को कम करना हमारी प्राथमिकता है, और हमेशा रहेगी। इससे ही गरीब जनता को संरक्षण दिया जा सकता है।

स्वच्छ नोट नीति

12. भारतीय रिज़र्व बैंक नोट भी छापता है। जब मैं कभी-कभी स्कूलों में जाता हूँ तो बच्चे मुझसे पूछते हैं कि हम ज्यादा नोट क्यों नहीं छपवाते हैं ताकि भारत एक धनवान देश बन सके। असल में यह सुझाव नासमझी भरा है। आप केवल ज्यादा नोट छापकर अमीर देश नहीं बन सकते हैं। आप जब उत्पादन अधिक बढ़ाएंगे, तभी हमारा भारत देश धनवान बन सकेगा। यदि हम बिना उत्पादन बढ़ाए, नोट प्रिंट करेंगे तो मंहगाई और बढ़ जाएगी। इसलिए रिज़र्व बैंक केवल उतने ही नोट छापता है जितनी कि हमारी अर्थव्यवस्था को जरूरत है।

13. हम यह कोशिश करते हैं कि लोगों को साफ-सुथरे नोट मिले। लेकिन मुझे शिकायतें मिलती हैं कि सभी स्वच्छ नोट बड़े-बड़े शहरों और नगरों में परिचालित किए जाते हैं, लेकिन ग्रामवासियों को हमेशा कटे-फटे नोट ही मिलते हैं। मुझे यह भी शिकायत मिली है कि यहाँ पूरी तरह से सिक्के भी नहीं मिलते हैं। यह रिज़र्व बैंक की नीति है कि ग्रामीण जनता को साफ-सुथरे नोट तथा पर्याप्त सिक्के मिलें। बैंकों से अनुरोध है कि वे इसमें रिज़र्व बैंक का पूरा सहयोग करें।

14. हमारे सामने और एक समस्या है, नकली नाटों की। ऐसे कुछ अपराधी, असामाजिक लोग हैं जो इस जालसाजी में लगे हुए हैं। नकली नोटों को संचालन से बाहर निकालने के लिए हम पूरी कोशिश कर रहे हैं। हमारी यह भी कोशिश है कि पुलिस विभाग जालसाजों के प्रति सतर्क रहे। साथ ही, मैं आप लोगों से अनुरोध करता हूँ कि आप सब भी असली नोटों को पहचानिए ताकि नकली नोटों से बचा जा सके। इसके लिए रिज़र्व बैंक कई तरीकों से जनता को जागरूक करने का पूरा प्रयास कर रहा है।

बैंकों का विनियमन

15. बैंक बचत करने वालों का पैसा जमा करते हैं और जरूरतमंद लोगों को पैसा उपलब्ध कराते हैं।

16. बैंकों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है कि बचत करनेवालों को ज्यादा से ज्यादा ब्याज दर दें, और उधार लेने वालों पर कम से कम ब्याज दर लगाएं। इसके लिए भारतीय रिज़र्व बैंक का काम है कि वह बैंकों को और मजबूत बनाए। हमारा एक बड़ा काम यह भी है कि आप लोग बैंक में जो पैसा रखते हैं वह सुरक्षित रहे। इसके लिए हम बैंकों पर निगरानी रखते हैं।

वित्तीय समावेशन

17. वित्तीय समावेशन भारतीय रिज़र्व बैंक का सबसे महत्त्वपूर्ण विकासात्मक कार्यक्रम है।

18. हमारे देश में लगभग 6,00,000 बस्तियां हैं लेकिन उनमें से केवल 60,000 ही ऐसी हैं जिनमें बैंकिंग की सेवाएं हैं। 90 प्रतिशत बस्तियों में बैंक ही नहीं हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि इन गांवों के लोगों को बैंक सुविधाओं का लाभ नहीं मिलता ।

19. भारतीय रिज़र्व बैंक का लक्ष्य है कि भारत में हर परिवार (हाउसहोल्ड) के पास एक बैंक खाता हो। 6,00,000 बस्तियों में से लगभग 1,00,000 बस्तियां आपके प्रदेश में हैं। अत: मैं सभी बैंकों से अनुरोध करता हूँ कि वे इस कठिन लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करें। यह आप लोगों के लिए जरूरी क्यों है? इसके कई कारण हैं:-

(i) पहले, आप अपनी बचत का पैसा घर में रखने की बजाए बैंक में सुरक्षित रख सकते हैं और उस पर ब्याज भी कमा सकते हैं।

(ii) दूसरे, आप अपना पैसा एक-दूसरे को भेज सकते हैं। आपके घर के जो लोग बड़े शहरों, जैसे दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, आगरा में कमाने जाते हैं, यदि वहां उनका बैंक खाता है तो वे आपको, यहां आपके खाते में, पैसा भेज सकेगें अन्यथा वे अनौपचारिक माध्यम से पैसा भेजेंगे, जो तरीका महंगा और असुरक्षित दोनों ही होगा।

(iii) तीसरे, अपना बैंक खाता होने से आप अपने कृषि, लघु व्यवसाय और मकान बनाने और अपनी पुत्री को कॉलेज भेजने के लिए कर्ज ले सकते हैं। आप मनमानी ब्याज दर लगाने वाले महाजन के चंगुल से बच सकते हैं।

(iv) चौथे, यदि आपका बैंक खाता है तो सरकार जो भी पैसा आपको देती है जैसे मनरेगा मजदूरी, पेंशन आदि, वह आपके खाते में सीधे जमा हो जाएगा। इस तरह आपको बिचौलियों को कमीशन नहीं देना पड़ेगा।

(v) गांवों में गरीब जनता की कमाई अनियमित होती है और उसका भी कोई भरोसा नहीं होता। आपको खराब फसल, रोजगार खोने, परिवार में बीमारी या मृत्यु का सामना करना पड़ता है। आपको शादी, त्यौहार आदि के लिए भी पैसों की जरूरत पड़ती है। बैंक खाते में बचत करके आप अपनी कमाई को बढ़ा सकते हैं।

20. भारतीय रिज़र्व बैंक, बैंकों को जहां संभव हो, खासकर, गांव में शाखाएं खोलने के लिए कहता है। पहले बैंकों को भारतीय रिज़र्व बैंक से शाखाएं खोलने के लिए लाइसेंस लेना पड़ता था, अब ऐसा नहीं है। भारतीय रिज़र्व बैंक से बिना लाइसेंस लिए, बैंक किसी भी गांव में अपनी शाखाएं खोल सकते हैं।

21. हर गांव में शाखाएं खोलने में भारी खर्च को देखते हुए बैंक हर गांव में अपने बैंकिंग प्रतिनिधि नियुक्त करते हैं जो बैंक के एजेंट के रूप में काम करते हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक की अन्य गतिविधियां

22. रिज़र्व बैंक और भी बहुत सारे काम करता है। मैंने यहाँ पर वही बाते कही हैं जो आपसे संबंधित है। मेरा आपसे आग्रह है कि आप सभी बैंक में अपना खाता खोलें और बचत करें। बैंक आपके द्वारा जमा की गई राशि से ही जरूरतमंद लोगों को रूपया उधार देते हैं। अत: मैं आप लोगों से यह अनुरोध भी करता हूँ कि जो लोग बैंकों से रूपया उधार लेते हैं वे उसे समय से बैंकों को वापस भी लौटाएं ताकि बैंक स्वस्थ बने रहें और आपके भाई-बहनों का बैंकों में रखा हुआ पैसा भी सुरक्षित रहे।

23. और एक बात है जो मैं आप लोगों को बताना चाहता हूँ। आप में से कुछ लोगों को रिज़र्व बैंक के नकली लेटर हेड पर चिट्ठियां मिलती होंगी जिनमें कहा जाता है कि आपको एक लॉटरी लगी है। इस लॉटरी का पैसा जमा कराने के लिए आप अपने बैंक खाते का ब्यौरा दीजिए जिससे कि आपकी लॉटरी का पैसा आपके खाते में जमा कराया जा सके। मैं आप लोगों को सावधान करना चाहता हूँ कि ऐसी चिट्ठियां, ऐसे पत्रों पर विश्वास मत करिए। ये सब जाली (बोगस) हैं। रिज़र्व बैंक कोई लॉटरी नहीं चलाता। रिज़र्व बैंक लोगों के खाते में पैसा भी नहीं भेजता। यह सब जालसाजों का काम है जो आपके बैंक खाते की जानकारी लेकर उसमें से आपका पैसा चुरा लेते हैं। अगर आपको ऐसा कोई पत्र मिले तो आप तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें।

24. मुझे लालपुर करौता गांव में आकर बहुत खुशी हुई है। मैं आपके, आपके परिवार तथा आपके बच्चों के भी उज्जवल और सुखद भविष्य की कामना करता हूँ।